K-795

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-502

सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन-01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester Examination 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. ज्योतिषशास्त्र मे तीनों स्कन्धों का सामान्य परिचय प्रदान करते हुए सिद्धांत स्कन्ध का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

2. परिधि एवं व्यास के सम्बन्ध को बताते हुए स्पष्ट भूपरिधि आनयन की प्रक्रिया को सोदाहरण समझाइए।

3. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार "नवविधकालमान" को व्याख्यायित कीजिए।

4. ग्रहगति के बारे में विस्तार से लिखिए।

5. भचक्रव्यवस्था के बारे में विस्तार से लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ग्रहकक्षाक्रम के बारे में लिखिए।

2. सूर्यसिद्धांतग्रन्थोक्त भूपरिधि आनयन प्रक्रिया को समझाइए।

3. "ज्योतिषशास्त्र काल विधान शास्त्र है" इस पर टिप्पणी लिखिए।

4. स्थूलकाल (मूर्तकाल) के बारे में लिखिए।

5. भूगोलस्वरूप के बारे में लिखिए।

6. अमूर्तकाल को व्याख्यायित करते हुए अमूर्त काल के प्रमुख मान प्रमाण को बताइए।

7. भगण की परिभाषा देते हुए विभिन्न ग्रहों के भगण मान लिखिए।

8. पञ्चधा ग्रह गति के बारे में लिखिए।